AP.No 431 Deed No 113/89

2 RS

INDIA

दो रुपये

दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

True Copy

R.O.
19.4.89

(१)

लेख्यकारी श्री कपील मुनी प्रसाद पिता का नाम स्वर्गीय श्री शिववंश सहाय जाति कायस्थ पेशा खेती बारी निवास गांव गौनरा प्रगने बीरु थाना सिमडेगा जिला गुमला विक्रेता स० प० पत्र स: १५ ता० १८.२.८०।

(२)

लेख्यधारी श्रीमति (सुधा) सुधा गुप्ता पति का नाम जीवित श्री शिव कुमार जाति वैश्य पेसा खेती बारी निवास गांव सरदारगंज थाना दलसिंह सराय जिला समस्तीपुर हाल मोकाम सिमडेगा जिला गुमला स० प० पत्र संख्या १४ दिनांक १८.२.८० (सही द० कपिल मुनी प्रसाद सा० गौनरा ४५०००/- पैंतालिस हजार रुपया पाकर ४.६५ डिसमील जमीन का बिक्री पट्टा लिख दिया था ख० ता० १३.२.८० गो० सही द० शीतल सिंह वल्द स्व० श्री गीता सिंह सा: सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला गुमला ता० १३.२.१९८०) (द० २) — केवाला। भारतीय। (१)

(३)

लेख्यप्रकार- विक्रय पत्र केवाला बेला कलामी प्रथ प्रथादिक आल औलाद एक वादिगरे के लिए होता है।

(४)

मूल्य मालियत पैंतालिस हजार रुपया अंके ४५०००/ रुपया मात्र।

क्र. 96 ता. 19-5-21

नाम [illegible]

[illegible]

[illegible] दिया

[illegible]

[illegible]

नकल की फीस की पूर्ति करके [illegible]

[illegible]	5-00
[illegible]	5-00
[illegible]	10-00
[illegible]	
	15-00

[illegible]

[illegible signature]
19/5

INDIA

दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

(५) विक्रय सम्पत्ति

का पूरा विवरण: हकियत खरीदगी रैती अपना खास
में दखली वाके मौजा शालडेगा थाना नम्बर ११६ परगने
बीरु थाना सिमडेगा सब रजिस्ट्री ऑफिस सिमडेगा सदर
रजिस्ट्री ऑफिस तथा जिला गुमला अन्दर खेवट नम्बर
२ खाता नम्बर १०८/२० प्लाट नम्बर ६८० रकबा साढे
बीस डिसमील २०½ डिसमील में से गालिब दक्षिण रकबा
पौने पांच डिसमील (सही ह० कपिल मुनी प्रसाद १३/२
गवाह ह० प्रकाश चन्द्र सिंह अधिवक्ता 13.2.89) (४-३)
अंके ४ ¾ डिसमील जिसका लम्बाई चौड़ाई पूरब से
पश्चिम ६१ फीट लम्बाई और उत्तर से दक्षिण २८ फीट
चौड़ाई अलावे और ३ इंच चौड़ाई है जिसकी चौहद्दी
इस प्रकार है उत्तर में रास्ता रैयत का उसके उत्तर
में बोधिकारी मकान दक्षिण में स्वर्गीय रमापति शास्त्री
जी का मकान पूरब में राँची से राउरकेला जाने वाली
पक्की सड़क और पश्चिम में मोहन राम अग्रवाल वगैरह
का मकान है। एक खाते का एक प्लाट का टुकड़ा
रकबा पौने पांच डिसमिल अंके ४ ¾ डिसमील जिसका
मालगुजारी (सही ह० कपिल मुनी प्रसाद १३.२.८९) छ ५)
सेवलिंग दस पैसे अंके 0.10 पैसे सलाने अलावे रोड
मोकरर होता है। (७) चूंकि मुझ बोधिकारी को वास्ते
काम जरूरी बनवाने मकान तथा कई चन्द घरेलू
खर्च के रुपए कि सख्त जरूरी है और बिना जमीन
बेचे रुपया मिलने की अभी कोई निकट उपाय नहीं
है ऐसी हालत में मैं उपर्युक्त बोधिकारी से

INDIA
दो रुपये
सत्यमेव जयते
TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

से अपनी जमीन खरीदने की प्रार्थना की और उन्होंने
जमीन लेना स्वीकार की। (2) इसलिए मैं अपनी इच्छा
से शरीर व मन की प्रसन्नता में ऊपर खाना कोष्ठ
2 में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ रु०
(कटी ह० कपिल मुनी प्रसाद 13.2.88) (कटा ह)
52000) रुपैया नगद कीमत लेकर चुकता वो बेबाक
पाकर बिक्री किया और उक्त जमीन का अपना कुल
हक हकूक उक्त लेख्यधारिणी तथा उनके उत्तराधिकारी
व स्थानापन्न जो है और आइन्दे जो होंगे उन्हें
हस्तान्तरित कर दिया अब से बिक्रीत जमीन पर
मेरा किसी तरह का हक सरोकार नहीं रहा और
न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का चाहिए
कि लेख्यधारिणी उक्त बेची गई जमीन पर अपना
दखल कार होकर व रहकर खेत आबाद करे या
मकान बनावे कुआं खोदे बाग बगीचा लगावें (
(कटी ह० कपिल मुनी प्रसाद 13.2.88) (कटा ह)
या जैसा फायदा हो अपना समझे और करें तथा नगदी
जिन्सी जिस प्रकार फायदा हो अपना पुत्र पुत्रादिक के
पुश्त दर पुश्त भोग दखल किया करें और बिहार सरकार
बजरीये सर्किल ऑफिसर मोकाम सिमडेगा के जमींदारी
सिरिश्ते से अपने नाम दाखिल खारिज कराकर
निर्धारित मालगुजारी तारीख बोर्ड से देकर अपना
खास रसीद लिया करें इसमें मेरा या मेरे वारिसान
कायम मोकामीयान का किसी तरह का आपत्ति नहीं।

नहीं रहा और न आइन्दा रहेगा (नकल इ० कैफियत दुरुस्ती प्रकार 13.2.28)(एस) (3) मैं इकरार करता हूँ कि उक्त जमीन पर मेरा निर्विवाद हक व दखल कब्जा है इसमें किसी प्रकार का भार या झगड़ा आदि नहीं है।

(6) इसलिए मैं अपनी खुशी रजा व बहाली होश हवास से बिना किसी के दबाव व बहकावे पर केवाला बैनामा [illegible] आज को बारह रुपये [illegible] लिखकर के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे का इकरार गवाहों के पास केवाला का कुल मजमून लिखा और पढ़कर सुना व समझा दिया उपयुक्त (नकल इ० कैफियत दुरुस्ती प्रकार 13.2.28 (एस) लिखित है और अंगूठा निशान लगाया और समझ बूझकर कबूल ठीक है। कायदा [illegible] धारा दस्तावेज नवीस ला. नं. 2123 [illegible] कचहरी ता० 13.2.1928 दीघी में घोषणा करता हूँ कि बेची गई जमीन सीलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है (नकल इ० कैफियत दुरुस्ती प्रकार 13.2.28 बाजा रहे कि उक्त खतियान के [illegible] में गोदाम [illegible] उपयुक्त अपर में [illegible] (7) और [illegible] ऊपर में [illegible] लिखा हुआ ठीक है ता० कायदा 13.2.28 (नकल इ० कैफियत दुरुस्ती प्रकार 13.2.28)

सम्पत्ति 4.2.86 अन्यायिक मुद्रांक रु. 3030 (तीन हजार तीस रुपये) का भी कैफियत दुरुस्ती प्रकार किया गया भी पिछले देय [illegible] [illegible] गोदाम थाना [illegible] जिला [illegible] की [illegible] के [illegible] [illegible] भी S.C. [illegible] (S.V.) [illegible] की निर्णीत कीमत गया इ. डी. 4.2.86 [illegible] [illegible] [illegible] (प्रति इ. डी. = 5000×6 = 3.000 - 20% = 201 - 10% = 101 = 30,30 रु.) सम्पत्ति 4.2.86 के अनुसार निर्णीत किया गया इ. डी. 4.2.86 इ. डी. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] (प्रति इ. डी.) सम्पत्ति 4.2.86 के अनुसार निर्णीत कीमत [illegible] इ. डी. 4.2.86 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] इ

प्रति पर्ची कर 950.25
रवा 13.50

963.75
कमीशन 2.50
पल्लेदारी 0.94

967.19.

१४.२.८८

कपिला दुनी प्रसाद

के सिकन्दरा हेतु

रविदास थाना सिकन्दरा

कार्यालय: बिक्री

ह० बलवीर सिंह [illegible]
14.2

(सही ह० कपिला दुनी प्रसाद
दि० १४.२-८८)

उपरोक्त श्री कपिलादुनी प्रसाद ने बोली का निलामी स्वीकार किया है जिसकी पर्ची पर शीतल सिंह पिता स्व० रतन सिंह मध्यस्थ के हैं आदेश का निर्णय के उपरोक्त किया जाता है —

ह० बलवीर सिंह
14/2/88

सही ह० कपिला दुनी प्रसाद
१४.२-८८

ह० शीतल सिंह
१४.२.८८

Can and Read
H.K.M.D
19.4.88.

[illegible]
19.4

Hw [illegible]
lo.

दो। 8445 8.2.84 के अनुसार नोटिस किया गया।
ह. दो. 8.2.84 स्टाम्प सहायक उपकोषागार सिकंदरा 8445 ह. दो.
8.2.84 8445 8.2.84 के अनुसार नोटिस किया गया ह.
दो. 8.2.84 स्टाम्प सहायक उपकोषागार सिकंदरा ह. दो. 8.2.84
8445 8.2.84 के अनुसार नोटिस किया गया ह. दो. 8.2.84
स्टाम्प सहायक उपकोषागार सिकंदरा 8445 ह. दो. 8.2.84
8445 8.2.84 के अनुसार नोटिस किया गया ह. दो.
8.2.84 स्टाम्प सहायक उपकोषागार सिकंदरा 8445 ह. दो. 8.2.84
8445 8.2.84 के अनुसार नोटिस किया गया ह. दो. 8.2.84
स्टाम्प सहायक उपकोषागार सिकंदरा 8445 ह. दो. 8.2.84.

Cash and Recd.
H.K. MO.
19.4.84

[signature] 19.4

D. No 113 For 84.

Stamp Rs 500/-
Stamp Rs 500/-
Stamp Rs 500/-
Stamp Rs 500.00
Stamp Rs 500.00
Stamp Rs 500.00
Stamp Rs 20.00
Stamp Rs 10.00

Total Rs. 3030/-

नियम २१ [illegible]
कारबार [illegible]
[illegible]
८५ @ छप्पन
[illegible]
[illegible] मुहर
२३ [illegible]
निबन्धन पदाधिकारी